Amit

भूगोल के क्षेत्र में पॉल विडाल डी ला ब्लॉश (Paul Vidal De La Blache) की भूमिका एवं योगदान का मूल्यांकन कीजिए। इसके साथ-साथ आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Paul Vidal De La Blache को फ्रांसीसी भूगोल का जन्मदाता माना जाता है, क्योंकि Blache के द्वारा ही फ्रांस में भूगोल को स्वतंत्र अस्तित्व प्रदान किया गया है, एवं इन्हीं के द्वारा भौगोलिक चिंतन के क्षेत्र में एक नवीन विचारधारा 'संभववाद' (Possibilism) का प्रतिपादन किया गया।

"मानव भूगोल के संस्थापक, मानव तथा प्रकृति के मध्य व्याप्त अंतर्सम्बन्धों की जड़ों की गहराइयों से अवगत, संभववाद के विचारों को प्रश्रय देने के बावजूद पृथ्वी में व्याप्त समस्त "Space" को "Place" कहने की गहरी समझ रखने वाला, अन्य भूगोलविदों की तुलना में अपनी सोच में एकदम unparallel यदि कोई व्यक्तित्व है तो वह और कोई नहीं अपितु Paul Vidal De La Blache महोदय ही हैं।"

जीवन इतिहास →

Blache का जन्म पेरिस में सन् 1845 में हुआ। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा (स्नातक स्तर तक) Ecoley Normale के विख्यात संस्थान से इतिहास, भूगोल और दर्शनशास्त्र में हुई। 1865 ई० में ब्लाश पुरातत्व (Archeology) के अध्ययन हेतु यूनान गए, जहाँ इनका झुकाव भौगोलिक अध्ययनों की तरफ हुआ। 1872 में ब्लॉश ने Ph.d की उपाधि के लिए अनुसन्धान कार्य आरंभ किया, जो मुख्यतः दो विद्वानों Pluto और Ptolemy के कार्यों से सम्बन्धित था।

Ecoley Normale से Ph.D की उपाधि प्राप्त कर लेने के पश्चात इनकी नियुक्ति 'नैन्सी विश्वविद्यालय' में प्राध्यापक के पद पर हुई, जहाँ इन्होंने 1872-76 तक कार्य किया। 1876 में ये जर्मनी चले गए जहाँ इन्होंने जर्मन विद्वानों का गहराई से अध्ययन किया जिनमें 3 महत्वपूर्ण थे — (i) Humboldt (ii) Ritter (iii) Ratzel.

ये 1877 में ही जर्मनी से लौट आए तथा इनकी नियुक्ति 'Ecole Normale' के शिक्षण संस्थान में हुई। 1898 में आपकी नियुक्ति एवं पदोन्नति सोरबॉन विश्वविद्यालय के 'College De France' में इतिहास तथा भूगोल के विभागाध्यक्ष पद पर हुई। ब्लॉश के प्रयासों से शीघ्र ही इस पद को 'Chair of Geography' मान लिया गया।

यहाँ कार्य करते हुए ब्लॉश ने भूगोल को एक मजबूत आधार दिया। इनका मानना था कि भूगोल सिर्फ ऐतिहासिक घटनाओं को समझने वाला ही विषय नहीं है बल्कि यह अपने आप में स्वतंत्र

तथा महत्वपूर्ण ज्ञान की शाखा है। अतः इसका अध्ययन इतिहास से अलग एक स्वतंत्र विषय के रूप में किया जाना चाहिए। 1898 से मृत्युपर्यन्त (1918) Blache प्रोफेसर के रूप में कार्य करते रहे।

ग्रंथ एवं शोधपत्र →

(i) ब्लाश द्वारा 1891 में भौगोलिक तथ्यों से सम्बन्धित एक सामयिक पत्रिका के प्रकाशन की व्यवस्था की गई। name → 'Annales de geographie'
(ii) 1893 ई० में संदर्भ-ग्रंथ सूची (Bibliography) का प्रकाशन
(iii) 1889 में यूरोप में राष्ट्र और राज्य
(iv) 1894 में यूरोप के ऐतिहासिक एवं भौगोलिक परिवेश पर तैयार की गई मानचित्रावली.
(v) 1903 में Geographie de la France (फ्रांस का भूगोल)
(vi) 1917 में France de l'Est (पू० फ्रांस का भूगोल)
(vii) 1902 में ब्लॉश द्वारा 'सामाजिक तथ्यों पर भौगोलिक दशाओं के प्रभाव' विषय पर शोधपत्र तैयार किया गया।
(viii) ब्लॉश द्वारा अपने जीवनकाल में मानव भूगोल के सिद्धान्त (Principles de Geographie Humaine) नामक ग्रंथ की रचना की गई परन्तु यह ग्रंथ 1923 में इनकी मृत्यु के बाद प्रकाशित हो पाया जो मुख्यतः 3 खंडों में विभाजित है।

योगदान →

ब्लॉश महोदय के विभिन्न योगदानों का क्रमवार विवरण निम्नलिखित रूप में प्रस्तुत है :—

① Father of French Geography :—
ब्लॉश ने फ्रांस के भूगोल का गहन अध्ययन किया तथा इसी प्रयास में उन्होंने कई ग्रंथों की रचना की जिन्हें फ्रांस पर अध्ययन करने के बाद निर्मित किया गया था जैसे —
(a) "Tableau-de-la-Geographie de-la France" में उन्होंने 'Tableau' में भौतिक और मानव लक्षणों के स्वरूप का मिश्रण किया।
(b) अपने ग्रंथ "France de la Est" में इन्होंने बताया कि किस प्रकार स्थानीय मानव समुदाय प्रकृति से और प्रकृति किस प्रकार मानव से जुड़ी होती है।
(c) "La tradition Vidalienne" शब्द इस तथ्य की ओर स्पष्ट करती है कि Blache किस कदर फ्रांसीसी भूगोल में समाये हुए थे।

According to Joerg (1922) —
"फ्रांस में भूगोल के सभी आचार्य या तो Blache के शिष्य रहे हैं या उनके शिष्यों के शिष्य। विश्व के किसी भी अन्य देश में भूगोल का विकास इस तरह एक व्यक्ति पर केन्द्रित नहीं रहा जैसा कि फ्रांस में"

2) New leadership of 'Social Space' —
(Social Space को नया नेतृत्वकर्ता).

ब्लाश महोदय का मानना था कि भूगोल का संबंध Location से होता है जिसमें x एवं y axis के सापेक्ष किसी स्थान विशेष का समय एवं उसकी महत्ता के संदर्भ में 'Space' में 'Place' का अध्ययन होता है। अपने इसी विचारधारा को लेकर उन्होंने 'Social Space' का अध्ययन किया तथा अपनी कृतियों 'Principles de la Geographie Humaine' और 'France De La Est' में मानव समाज तथा उसके पर्यावरण या प्रकृति के मध्य किसी भी विभेद को स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हुए यह बताया कि हमें अपने प्रकृति के प्रति गहरी समझ इस संदर्भ में होनी चाहिए कि उसे हम अपना या अपनी तरह का समझते हुए उसके साथ मानवीयता एवं उसका उपयोग करते समय पशाविकता से बचें। इसी संदर्भ में वे Natural Space को पहले Social Space मानने तथा फिर उसमें से Social Place को खोजने और अपनाने की सलाह देते हैं। इस विचार को प्रस्तुत करने के कारण उन्हें French School of thought के प्रतीक के रूप में निरुपित किया जाता है।

③ प्रशिक्षण के संदर्भ में इतिहासकार :—.

ब्लॉश महोदय की इतिहास में बहुत गहरी पकड़ थी। वे समस्त प्रक्रियाओं एवं तथ्यों (जिनका संबंध भूगोल से है) को इतिहास के आईने में देखकर उसके यथार्थ स्वरुप को समझने और परिभाषित करने पर बल देते थे। उनके द्वारा रचित "Atlas Generale Vidal De La Blache" का प्रकाशन 1894 में हुआ जिसमें उन्होंने यूरोप के ऐतिहासिक तथा भौगोलिक परिवेश का मानचित्रण किया। ब्लॉश का यह मानना था कि इतिहास के विभिन्न क्रमों से गुजरने का ही परिणाम वर्तमान में उपस्थित समस्त जगत है; अतः प्रत्येक अध्ययन का आरंभ इतिहास से होना चाहिए।

④ Well Versed in literature and classic —.

ब्लॉश महोदय द्वारा भूगोल के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान का प्रमुख कारण उनके द्वारा किया गया साहित्य एवं शास्त्रों का अध्ययन था। वे एक कुशल साहित्यकार एवं शास्त्रीय पुस्तकों के रचयिता थे। उनकी विद्वता का ही परिणाम है कि उनके द्वारा रचित पुस्तकों को आज भी फ्रांस के भूगोलविद् बाइबिल के समान पढ़ा करते हैं।

⑤ कार्यकर्ता एवं वैज्ञानिक :—.

विडाल डी ला ब्लॉश अध्ययन के क्षेत्र में सदा क्रियाशील तथा वैज्ञानिक थे। उनकी निरंतर क्रियाशीलता का एक अच्छा उदाहरण उनके द्वारा चलाई गई वार्षिक पत्रिका 'Annals de Geographie' थी जिसमें उनके द्वारा रचित लेख शामिल होते थे। वे निरंतर नई जानकारियों और निष्कर्षों में अध्ययनरत रहते थे इसी परिप्रेक्ष्य में उन्हें वैज्ञानिक कहा गया।

⑥ Teacher of Geography :— ब्लॉश महोदय ने अपने जीवन का लगभग 42 वर्ष शिक्षक के रूप में बिताया। उनके शिक्षण का कुछ ऐसा प्रभाव हुआ कि फ्रांस में उनके विद्यार्थियों ने भूगोल में कई पीढ़ी तक उच्च पदों पर शिक्षक के रूप में कार्य किया।

ब्लॉश महोदय का विभिन्न विचार सम्बन्धी योगदान :—

Ⓐ New Vision of Geography :—

ब्लॉश महोदय ने भूगोल में विषयवस्तुओं एवं उसके अध्ययन को नये दृष्टिकोण से देखा। अपने गहन गूढ़ अध्ययन के आधार पर उन्होंने 1913 में भूगोल को परिभाषित करते हुए कहा कि — "Modern Geography is the scientific study of places." यहाँ Modern शब्द से अभिप्राय उन सभी विचारों से है जो तत्कालीन समय में भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों की अंतःक्रिया के परिणामस्वरूप निर्मित होते हैं। बाद में उन्होंने इस तथ्य को भी भलीभाँति स्पष्ट किया है कि Physical और Cultural geography एक दूसरे से अलग नहीं अपितु एक दूसरे के पूरक हैं एवं दोनों को अपनेआप में पूर्ण होने के लिए एक दूसरे की आवश्यकता है।

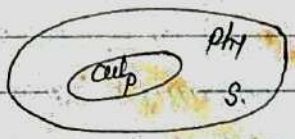

Cul = Cultural P = Place
Phy = Physical S = Space.

(Milieu).

Ⓑ "Relationship of man and his immediate surroundings by small homogenous areas call."

— Pays (पेज)

प्रादेशिक अध्ययन करने की ब्लॉश महोदय की विधि को आज भी पूरे संसार में मान्यताप्राप्त है। उनका मानना था कि दो प्राकृतिक प्रदेशों के मध्य स्पष्ट सीमाएँ नहीं होती हैं। एक प्रदेश की विशेषताएँ केन्द्र से दूर हटने पर धीरे-धीरे विलुप्त होती जाती हैं। अतः दो प्राकृतिक प्रदेशों के मध्य कोई स्पष्ट रेखा नहीं होती। ऐसे में क्षेत्रों को छोटे-छोटे समांग इकाई क्षेत्रों (जिसे Pays कहा गया) में विभक्त कर मानव से उसके सम्बन्धों का अध्ययन करना चाहिए। प्रकृति के different system of adoption होते हैं यथा— milieux de vie एवं genese de vie.

यहाँ Genese de vie से तात्पर्य उस जटिल अन्तरजाल से है जिसका निर्माण institutions, traditions, attributes, purposes, technical skills मिल कर करते हैं तथा इसका अर्थ संस्कृति के समय एवं space के सापेक्ष बदलता है।

© Possibilism. — भौगोलिक चिन्तन के आधार पर Blache को एक नवीन चिन्तन संभववाद का प्रवर्त्तक माना जाता है। संभववाद प्राकृतिक वातावरण के तत्वों की अपेक्षा आर्थिक विकास में मानव के ज्ञान को अधिक महत्वपूर्ण मानता है। Blache का मानना था कि प्रकृति यद्यपि सीमा का निर्धारण करती है पर वो विभिन्न परिस्थितियों को उपस्थित कर मानव के सामने विकल्प चुनने के लिए छोड़ती है तथा मानव अपनी योग्यता एवं क्षमता से विकल्पों को चुनकर प्राकृति द्वारा रेखित सीमा को पार करके प्रकृति को पीछे छोड़ देते हैं।

इनके अनुसार धरातल के अनेक क्षेत्रों में प्रकृति के द्वारा आर्थिक विकास के मार्ग में बाधाएँ उत्पन्न की गई है परन्तु मनुष्य ने अपने ज्ञान से इन बाधाओं को समाप्त कर विषम परिस्थितियों में भी आर्थिक विकास के मार्ग खोल दिये हैं। Blache ने लिखा भी है —

"Nature is never more than an adviser"

Ⓓ La Geographie de la Civilisation :—

ब्लॉश महोदय का यह मानना था कि हम वास्तविक अर्थों में भूगोल के विषय के द्वारा सभ्यता के भूगोल का अध्ययन करते हैं। उनका मानना था — Existence maintain continuity by modification and adjustment" इस प्रकार सभ्यता का चक्र चलता है।

Blache महोदय ने ecology पर भी अपने अध्ययनों के माध्यम से प्रकाश डालने की कोशिश की है। Ecology ग्रीक शब्द "Ecos" से बना है। 'Eco' शब्द का अर्थ होता है — "Every thing is related with every thing" यदि हम इसे सभ्यता के संदर्भ में देखें तो ecology को समझा जा सकता है जैसे ब्लाश के अनुसार किसी भी प्रकार के विभेद का प्रयास विवेकसंगत नहीं है क्योंकि पृथ्वी के सभी विकसित परिवेश अब प्रायः पूरी तरह रुपान्तरित हो चुके हैं। अतः स्थानीय भूदृश्य में प्राकृतिक और मानव निर्मित के बीच अंतर करना असम्भव है।

Ⓔ The Principle of Terrestrial Unity or Inter Connection. —

ब्लॉश ने स्पष्ट कहा है कि पृथ्वी पर कोई भी वस्तु पूर्णतः स्वतंत्र या स्वावलंबी नहीं है। अतः छोटे से छोटे क्षेत्र के भौगोलिक अध्ययन में भी संपूर्णता प्राप्त करने के लिए वहाँ के समस्त बिखरे हुए तथ्यों का अध्ययन सार्वभौम रुप से किया जाना आवश्यक है। उनके इसी विचार को संपूर्ण ग्लोब की एकता का सिद्धान्त कहा गया।

भूगोल के विशिष्ट तत्व :—

Blache के द्वारा 1913 में भूगोल के विभिन्न विशिष्ट लक्षणों पर एक शोधपत्र लिखा गया जो प्रसिद्ध भौगोलिक पत्रिका 'Annals - de Geographie' में प्रकाशित हुई। इसमें भूगोल के 6 विशिष्ट लक्षण बताए गए हैं —

(i) Terrestrial दृश्य घटनाओं में एकता पाई जाती है, क्योंकि धरातल के विभिन्न भौतिक तत्व एक दूसरे से सम्बन्धित होते हैं।
(ii) जलवायु की तरह पार्थिव दृश्य घटनाओं में परिवर्तन तथा विकास होता है।
(iii) भूगोल का संबन्ध पृथ्वी तल पर होने वाली सभी घटनाओं से है।
(iv) भूगोल के अन्तर्गत वातावरण के विभिन्न तत्वों का मनुष्य पर प्रभाव तथा वातावरण से मनुष्य के सामंजस्य करने की क्रिया का विश्लेषण किया जाता है।
(v) भूगोल के अन्तर्गत पार्थिव दृश्य घटनाओं को परिभाषित तथा वर्गीकृत करने का प्रयास किया जाता है।
(vi) इनके अनुसार भूगोल में मनुष्य के द्वारा अपने वातावरण तथा भूतल में लाये गए परिवर्तनों का विश्लेषण तथा मूल्यांकन किया जाता है।

इस प्रकार Blache फ्रांस का ऐसा भूगोलवेत्ता रहा है जिसने मानव भूगोल को मजबूत वैज्ञानिक आधार प्रदान किया। मानव भूगोल के विषयवस्तु तथा उद्देश्य को स्पष्ट करने का प्रयास किया। तथा सम्भववाद का प्रतिपादन किया।